नारी शक्ति

महिला प्रभाग की समाचार पत्रिका

For Private Circulation Only

अंक – 66 अक्टूबर 2023

शांतिवन (आबू रोड) - उद्घाटन सत्र– महिला प्रभाग द्वारा "महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक परिवर्तन" विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए (दायें से बाएं) ब्र.कु. माला बहन – वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, सायन, ब्र.कु. शारदा दीदी – राष्ट्रीय अध्यक्षा – महिला प्रभाग, डॉ. पारिन सोमानी, डायरेक्टर, लंदन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ स्किल्स डेवलपमेंट (यू.के.), डॉ. ब्र.कु. लक्ष्मी (मुन्नी दीदी जी) – सह मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, डॉ. ब्र.कु. सविता दीदी – राष्ट्रीय अध्यक्षा – महिला प्रभाग, ओडिशा राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा बहन डॉ. मिनाती बेहरा, ब्र.कु. चक्रधारी दीदी – अध्यक्षा महिला प्रभाग, उपभोक्ता संरक्षण संघ की राष्ट्रीय अध्यक्षा तथा प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राजश्री गांधी वर्मा, मानिनी फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्षा डॉ. भारती चंवन, ब्र.कु. शक्ति बहन - वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, दिल्ली एवं अन्य ।

शांतिवन - आबूरोड मे आयोजित राष्ट्रीय महिला सम्मेलन की रिपोर्ट

दिनांक 8 से 12, सितंबर 2023 तक

महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक परिवर्तन

ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के महिला प्रभाग द्वारा आबू रोड के शांतिवन परिसर में "महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक परिवर्तन" विषय पर दिनांक 8 से 12 सितम्बर 2023 तक कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पूरे भारत से लगभग 5000 से भी अधिक महिलाओं ने भाग लिया । इस सुंदर कार्यक्रम में अपनी शुभकामनाएं देते हुए **महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु.चक्रधारी दीदी,** ने कहा कि आध्यात्मिक सशक्तिकरण से जो आंतरिक सकारात्मक परिवर्तन आता है उससे नारी सशक्तिकरण का वास्तविक स्वरूप सामने आता है। कैसी भी विषम परिस्थिति में भावनात्मक संतुलन बनाते हुए, परिवार की यथार्थ पालना कर, सामाजिक परिवर्तन में सहयोगी बना जा सकता है। **"माननीय" फाउंडेशन की अध्यक्षा, डॉ. भारती चंवन** ने शांतिवन परिसर में हो रहे अद्भुत अनुभूति का वर्णन करते हुए इस सम्मेलन को समय की आवश्यकता बताया ।

मुख्य वक्ता, प्रसिद्ध मराठी फिल्म अदाकारा, बहन सारिका हर्षवर्धन नवाथे ने स्त्रियों के साथ पुरुष व बच्चों के भी सशक्तिकरण के लिए इस कार्यक्रम की उपयोगिता बतायी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि स्वयं से प्यार करना, स्वयं के लिए समय देना ही नारी सशक्तिकरण का आधार बनेगा।

ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर भाई जी ने महिला प्रभाग को बधाईयां देते हुए, नारी के मातृत्व स्वरूप की महिमा की, जिससे भारत के दैवी गुणों का संचार, प्रसार एवं विस्तार विश्व भर में हो रहा है।

राष्ट्रीय संयोजिका ब.कु. शारदा दीदी ने सभी मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि दृढ़ता, स्वच्छता एवं सरलता जैसे गुणों की धारणा से सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका, ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी ने पूरे भारत में महिला प्रभाग द्वारा की जा रही विस्तृत सेवाओं पर प्रकाश डाला।

विश्व गिनीज रिकॉर्ड धारिका, कत्थक विशारद, 17 वर्षीय कुमारी सृष्टि ने अपने लगातार 127 घंटा कथक नृत्य विश्व रिकॉर्ड का अनुभव तथा 12वीं तक की कक्षाओं में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने का आधार, राजयोग द्वारा आध्यात्मिक सशक्तिकरण बताया।

दिल्ली से पधारीं, ब्र.कु.शक्ति दीदी ने मंच का कुशल संचालन किया।

उद्घाटन सत्र

महिला सशक्तिकरण के लिए सकारात्मक परिवर्तन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय महा सम्मेलन के उद्घघाटन सत्र में मुख्य अतिथि **डॉ. मिनाती बेहरा, ओडिशा राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा** ने बताया कि शिक्षित महिला ही शिक्षित परिवार और शिक्षित समाज की रचना कर सकती है। परिवार में लड़का-लड़की में व्यवहारिक भेदभाव भी सशक्तिकरण में बाधक है।

डॉ. पारिन सोमानी, डायरेक्टर, लंदन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ स्किल्स डेवलपमेंट (यू.के.) ने जीवन में अपनी संघर्ष की गाथा बताते हुए कहा कि 20 वर्ष की आयु में नेत्र ज्योति समस्या तथा कैंसर जैसी बीमारी से पीड़ित हो जाने के बा-वजूद आंतरिक शक्ति तथा ईश्वर पर सहज विश्वास से मैं स्वयं को एक सशक्त महिला के रूप में विश्व रंगमंच पर प्रसिद्ध कर पायी।

अपने मुख्य वक्तव्य में महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु.शारदा दीदी ने कहा कि हमारी स्थिति का आधार हमारी सोच है। लक्ष्य की स्मृति, स्वमान का अभ्यास तथा मूल्यों की धारणा से जीवन सशक्त, व्यक्तित्व सुंदर तथा अभिमान मुक्त होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षा डॉ. ब्र.कु. लक्ष्मी (मुन्नी दीदी जी) संयुक्त मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़ ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि श्रेष्ठ संस्कार से श्रेष्ठ संसार की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। दीदी जी ने हमें निमित्त, निर्माण और निर्मल वाणी के तीन सूत्र दिए हैं जिनका प्रयोग करके हम जीवन को सफल, सुंदर,

सशक्त जीवन बना सकते हैं। जीवन में खुशी का आधार क्षमा भाव धारण करना है।

दीप प्रज्वलन के बाद अपने विशिष्ट वक्तव्य में **उदयपुर से पधारीं, 'उपभोक्ता संरक्षण संघ' की राष्ट्रीय अध्यक्षा तथा प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता बहन डॉ. राजश्री गांधी वर्मा** ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए महिलाओं का शिक्षित एवं सुसंस्कारवान होना आवश्यक है। यह ब्रह्माकुमारीज़ में ही संभव है।

दिल्ली से पधारीं विश्व गिनीज रिकॉर्ड धारी, प्रसिद्ध मेमोरी ट्रेनर डॉ. अदिति सिंघल ने कहा कि परिवार, समाज या विश्व सेवा से पूर्व स्वयं की सेवा या देखभाल करना आवश्यक है। आप अन्य को तभी दे सकते हैं जब आप स्वयं संपन्न है। हमें समय को व्यर्थ नहीं जाने देना है। परिवार के सदस्यों के साथ दिल के स्नेह का संबंध रखने से हम अनेक समस्याओं से मुक्त हो सकते हैं।

महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने कहा कि आधुनिकता के नाम पर स्वच्छंदता स्वीकार्य नहीं है। हमारा परिधान गरिमामय, चरित्र गौरवशाली और संबंध शालीन होने चाहिए । आंतरिक शक्तियों की कमी से भौतिक सम्पन्नता या साधन होते हुए भी तलाक, नशा प्रवृत्ति तथा दुख बढ़ा है। विश्व के 8 हजार से अधिक सेवा केंद्रों द्वारा आध्यात्मिक सशक्तिकरण का कार्य 1936 में आरंभ हुआ जो महिला सशक्तिकरण की एक अद्भुत मिसाल है।

मुंबई,सायन सेवा केन्द्र से आयी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. माला दीदी ने राजयोग अनुभूति करायी। मधुर वाणी ग्रुप द्वारा सुंदर गीत तथा मुंबई (वाशी) से साक्षी एवं ग्रुप ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया।

महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. डॉ.सविता दीदी ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया ।

पैनल सत्र

"परिवर्तन का आधार - आध्यात्मिकता और मूल्य" विषय पर आयोजित पैनल सत्र में **जयपुर से पधारी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. पूनम दीदी** ने समाज को सुव्यवस्थित बनाने का आधार मूल्यों को बताया । उन्होंने बताया कि आत्मा के मूल्यों की अनुभूति आध्यात्म के द्वारा होती है । आत्म मूल्यांकन से अपनी कमजोरियों को निकाल कर सद्गुणों को बढ़ाना है । आध्यात्म द्वारा आत्मचिंतन , आत्म मूल्यांकन ही परिवर्तन की ओर ले जाता है ।

मेहसाना ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. सरला दीदी जी ने कहा कि आध्यात्म में वो शक्ति है जिससे व्यक्ति अपने सत्य स्वरुप को पहचान सकता है। वर्त्तमान समय परमपिता परमात्मा अवतरित होकर वो सत्य ज्ञान दे रहे है जिससे आत्मा के मूल्य जागृत हो रहे है और जब हम सत्य स्वरुप में रहकर कर्म करते है तो कर्म श्रेष्ठ होता है और हमारे में बदलाव आता है । ये कार्य महिला सहज ही कर सकती है । तो चारित्रिक, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के आधार से हमें अपने समाज में परिवर्तन लाना है ।

दिल्ली से पधारीं विश्व गिनीज रिकॉर्डधारी, प्रसिद्ध मेमोरी ट्रेनर डॉ. अदिति सिंघल ने कहा कि अपने मूल्यों में रहकर कर्म करना ही आध्यत्मिकता है । जब भी हम कोई कर्म मूल्यों में रहकर करते है, अपनी वास्ताविक पहचान को समझकर करते है तो हर कार्य श्रेष्ठ होने के कारण हर कार्य में सफलता मिलती है और हमारी आतंरिक स्थिति भी अच्छी बनी रहती है ।

ओडिशा से पधारी , राज्य महिला आयोग की सदस्य बहन बिजय बरवा ने कहा कि हमारे अन्दर जो गुण है , मूल्य है उन्हें राजयोग के द्वारा जागृत करना पड़ेगा और राजयोग की प्रैक्टिस करने से नकारात्मकता स्वत: ही ख़त्म हो जाएगी और सकारात्मकता आ जाएगी। जीवन खुशहाल हो जायेगा ।

विदेश से पधारी, डॉ. पारिन सोमानी, डायरेक्टर, लंदन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ स्किल्स डेवलपमेंट (यू.के.)ने कहा कि 35 साल विदेश में रहने के बावजूद उन्होंने अपने मूल्यों को नहीं छोड़ा है बल्कि अपने बच्चों में भी ये मूल्य डालें हैं । उन्होंने कहा कि ये मूल्य ही जीवन जीने का आधार है इसलिए मूल्यों को जीवन में कायम रखने की आवश्यकता हैं तभी हम परिवर्तन ला सकते है ।

ठाणे, महाराष्ट्र से पधारी, जिला अध्यक्ष, लाइकलिया सेवा फाउंडेशन एवं निर्यातक, लाइकलिया एग्रोफ्रेश प्राइवेट लिमिटेड बहन जानवी देशमुख ने कहा कि अगर आपको कुछ पाने की सच्ची चाहत है तो वो आप राजयोग द्वारा पा सकते हो । महिला में शक्ति है केवल जरूरत है उन शक्तिओं को जगाने की । महिलाओं को अपनी शक्तियों को जागृत कर के समाज को जागरूक करना है ।

ब्र.कु. कोमल भाई ने मंच का कुशल संचालन किया ।

खुला सत्र

इस सम्मेलन में "नैतिकता- महिलाओं का श्रंगार" विषय पर आयोजित खुला सत्र में अपने मुख्य वक्तव्य में **मुख्यालय, पांडव भवन से पधारीं राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी** जी ने नैतिकता को व्यक्तिगत, पारिवारिक या सामाजिक विकास का आधार बताया। नैतिकता विहीन मानव मृत समान है। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा दिए जा रहे ज्ञान का विश्व भर में स्वीकार्यता का आधार नैतिकता ही है । आज वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं के प्रति हो रही अशोभनीय घटनाओं, कुकृत्यों आदि का कारण भी नैतिक पतन ही है। कालचक्र में सतयुग- त्रेता -द्वापर -कलयुग की यात्रा में नैतिक पतन में महिला की भी भागीदारी है । यह समय आया है सकारात्मक परिवर्तन का जब पुन: भारत विश्व गुरु बनने की राह पर है और आध्यात्मिक सशक्तिकरण इसका आधार है।

मुंबई से पधारीं विशिष्ट अतिथि **पूर्व निदेशक मुंबई दूरदर्शन एवं कलाकार - ICCR गोरेगांव मुंबई बहन शैलेश श्रीवास्तव** ने बताया महिलाओं द्वारा की जा रही भौतिक उन्नति ने सारे आयाम तोड़ दिए हैं। प्रशासनिक, व्यवसायिक या सामाजिक स्तर पर आज महिलाएं उच्चतम स्तर पर हैं। चंद्रयान- ३ में

शांतिवन (आबू रोड) – पैनल सत्र - महिला प्रभाग द्वारा "परिवर्तन का आधार – मूल्य एवं आध्यात्मिकता" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए (बाएं से दायें) ब्र.कु. कोमल भाई – निर्देशक, मधुबन न्यूज, ब्र.कु. पूनम बहन - वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, जयपुर, डॉ. पारिन सोमानी, डायरेक्टर, लंदन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ स्किल्स डेवलपमेंट (यू.के.), ब्र.कु. सरला बहन – अध्यक्षा, ग्राम विकास प्रभाग –ब्रह्माकुमारीज़,ब्र.कु. डॉ.अदिति सिंघल – राजयोग शिक्षिका, दिल्ली, बहन बिजय बरवा – सदस्य,ओडिशा राज्य महिला आयोग, बहन जानवी देशमुख - जिला अध्यक्ष, लाइकलिया सेवा फाउंडेशन एवं निर्यातक, लाइकलिया एग्रोफ्रेश प्राइवेट लिमिटेड ।

भूमिका हो या अनेक सामाजिक संगठनों का नेतृत्व करने वाली महिलाएं, इसका प्रमाण है । महिला एक ओर धैर्य, साहस व प्रेम का भंडार है दूसरी ओर वह एक बच्चे के विवेक, व्यक्तित्व तथा जीवन को बनाने वाली है।

शांतिवन के वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी जी ने शारीरिक स्वच्छता के साथ-साथ आत्मिक जागृति पर बल दिया। गुणों को जीवन में धारण करने से ही दिव्यता, सन्तुष्टता तथा गौरवशाली व्यक्तित्व का विकास होता है।

मुख्य अतिथि, नवी मुंबई के विधायक पूर्व पर्यावरण,आबकारी मंत्री, महाराष्ट्र सरकार ने मधुबन की यात्रा को अद्भुत, लाभकारी, मन की शक्ति बढ़ाने वाला बताया। पूरे विश्व में बहनों द्वारा किया जा रहा आध्यात्मिकता से सकारात्मक परिवर्तन का कार्य अत्यंत सराहनीय है।

ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव, मुख्य प्रवक्ता तथा वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु.बृजमोहन भाई जी ने सम्मेलन के विषय को समय प्रमाण आवश्यक, उपयुक्त तथा उद्देश्य पूर्ण बताया । परमात्मा से हम सद्बुद्धि मांगते हैं, बुद्धि का श्रोत सरस्वती को माना जाता है। ब्रह्मा की पुत्री सरस्वती को परमात्मा शिव से दिव्य बुद्धि मिली यह बात जानने की है। इस समय पर धर्म का यथार्थ ज्ञान होना आवश्यक है। ज्ञान अर्थात विजडम। नम्रता, मधुरता का गुण जीवन को सुंदर बनाता है। ईश्वरीय ज्ञान, गुण व शक्तियों की धारणा से ही आज 40,000 समर्पित ब्रह्माकुमारी बहनें पूरे विश्व में यह ईश्वरीय सेवा कर रही हैं।

पालम विहार गुड़गांव से पधारीं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. उर्मिल बहन ने कहा कि अक्सर हमारी चर्चा का विषय भौतिक दिखावा, जाति, पारिवारिक समस्याएं आदि ही रहता है। यह हमें देह-अभिमानी बनाता है लेकिन आत्म अभिमानी स्थिति के कारण ही आज ब्रह्माकुमारी बहनों की ओर कोई बुरी नजर से देख भी नहीं सकता। सरकार समाज में भी रहने के लिए कुछ नियम बनाती है लेकिन जो सुप्रीम गवर्मेंट अर्थात् परमात्मा है उसका भी अपना कोड ऑफ कंडक्ट है कि हम स्वयं को आत्मा देखें शरीर नहीं। शरीर से तो हम रोल करते हैं, लेकिन हम रोल प्ले करने वाली आत्मा(दल) हैं । हमारा आंतरिक परिवर्तन रोल से सोल हो जाए जिससे हमारी विशेषताओं में निखार आयेगा।

सहयोग स्नेह सेवा संस्थान नवी मुंबई, महाराष्ट्र की संस्थापक तथा सीईओ बहन संतोष कुमारी ने स्वयं के भाग्य की सराहना करते हुए अपने को धन्य-धन्य माना और कहा मैं कुछ समय से इस संस्था से जुड़ी और मुझे जीवन जीने का लक्ष्य मिल गया और सफलता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार बन गया।

शांतिवन (आबू रोड) – खुला सत्र – महिला प्रभाग द्वारा "नैतिकता - महिलाओं का श्रृंगार" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अपना अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए ब्र.कु. भ्राता बृजमोहन । मंच पर उपस्थित है (दायें से बायें) ब्र.कु. शीला बहन - वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, वाशी (नवी मुंबई), ब्र.कु. उर्मिल दीदी- वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, पालम विहार, दिल्ली, बहन संतोष कुमारी – संस्थापक एवं सी.इ.ओ. सहयोग स्नेह सेवा संस्थान, पनवेल(नवीं मुंबई) , ब्र.कु. चक्रधारी दीदी – अध्यक्षा - महिला प्रभाग, बहन सैलेश श्रीवास्तव - पूर्व निदेशक मुंबई दूरदर्शन एवं कलाकार - ICCR गोरेगांव मुंबई, ब्र.कु. गीता बहन - वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, शांतिवन, एवं ब्र.कु. अस्मिता बहन – राजयोग शिक्षिका, बालोतरा ।

शांतिवन (आबू रोड) – समापन सत्र – महिला प्रभाग द्वारा "स्वस्थ एवं सुखी पारिवारिक जीवन" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अपना वक्तव्य देते हुए ब्र.कु. भ्राता मोहन सिंघल । मंच पर उपस्थित है (बाएं से दायें) ब्र.कु. शिविका बहन – मुख्यालय संयोजिका – शिक्षा प्रभाग, ब्र.कु.राधा बहन - वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका – गोरेगांव, मुंबई, ब्र.कु. भ्राता मृत्युंजय - ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव और अध्यक्ष – शिक्षा प्रभाग, बहन स्वाति रामचन्द्र कांबले – महिला अध्यक्ष, एन.सी.पी, भिवंडी, ठाणे एवं बहन तुलसी जोशी - डिप्टी मेयर, महेंद्र नगर, नेपाल।

नवीं मुंबई से पधारीं, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शीला दीदी ने राजयोग अनुभूति कराई । **ब्र.कु. अस्मिता बहन** ने कुशल मंच संचालन किया।

समापन सत्र

"स्वस्थ एवं प्रसन्न पारिवारिक जीवन"विषय पर आयोजित समापन सत्र में अपने मुख्य वक्तव्य में **राजयोगी ब्र.कु. मोहन सिंघल भाई** जी ने बताया कि आज लोग हेल्थ और वेल्थ के साधनों के बारे में बहुत कुछ जानते हैं लेकिन प्रसन्न रहने के साधन कम जानते हैं । अपेक्षा और उपेक्षा दोनों ही ख़ुशी कम करते है। अपेक्षा से स्वयं को दु:ख होता है, उपेक्षा से दूसरों को दु:ख होता है । जीवन में प्रसन्नता के लिए किसी की कमजोरी को नहीं देखना है । **मुख्य अतिथि के रुप में पधारीं, मुंबई से एनसीपी की महिला प्रभाग की अध्यक्षा बहन स्वाति रामचंद्र कामबले** ने कहा कि यहाँ आकर मैंने जाना कि मेरा अस्तित्व क्या है और अब मुझे अपने लिए क्या करना है। नारी स्वयं के लिए प्रेम और सम्मान की इच्छा रखती है न कि कोई भौतिक उपहार की। वह मान-सम्मान की प्राप्ति मुझे यहां आकर के हुई ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष, ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव, राजयोगी ब्र.कु.मृत्युंजय भाई ने स्वस्थ जीवन के लिए शाकाहारी भोजन करना, नियमित व्यायाम और राजयोग के अभ्यास करने पर बल दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम आध्यात्मिकता द्वारा आंतरिक रूप से सशक्त होंगे और हमें स्वत: ही प्रसन्न और स्वस्थ जीवन प्राप्त होगा।

दिल्ली से पधारीं डॉ. अदिति सिंघल ने कुछ अभ्यासों के द्वारा स्वयं को स्वस्थ और प्रसन्न रहने के सूत्र दिए।

विशिष्ट अतिथि **नेपाल से पधारीं महेंद्रनगर की**

शेष पृष्ठ 8 पर

माउंट आबू (उद्घाटन सत्र) – (बाएं से दाएं) महिला प्रभाग द्वारा "पारिवारिक सशक्तिकरण" विषय पर आयोजित सम्मेलन का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी-राष्ट्रीय संयोजिका, महिला प्रभाग, ब्र.कु. चक्रधारी दीदी-अध्यक्षा - महिला प्रभाग, भ्राता प्रो. आनंद पालीवाल - सदस्य, भारतीय विधि आयोग, ब्र.कु. भ्राता बृजमोहन जी – अतिरिक्त सेक्टेरी जनरल - ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी - अध्यक्षा कला एवमं संस्कृति प्रभाग, ब्र.कु. डॉ. निर्मला दीदी - संयुक्त मुख्य प्रशासिका - ब्रह्माकुमारीज़, बहन संगीता बेनीवाल – अध्यक्ष, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग (राजस्थान), ब्र.कु. शारदा दीदी – राष्ट्रीय संयोजिका – महिला प्रभाग, एवं बहन रेनू भाटिया – चेयरपर्सन, हरियाणा महिला आयोग ।

ज्ञान सरोवर - माउंट आबू मे आयोजित राष्ट्रीय महिला सम्मेलन की रिपोर्ट

दिनांक 4 से 8 अगस्त 2023 तक

पारिवारिक सशक्तिकरण

ब्रह्माकुमारीज़ के राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के महिला प्रभाग द्वारा माउंट आबू के ज्ञान सरोवर परिसर में "पारिवारिक सशक्तिकरण" विषय पर दिनांक 4 से 8 अगस्त 2023 तक कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें पूरे भारत से लगभग 400 गणमान्य एवं प्रसिद्ध महिलाओं ने भाग लिया। इस सुंदर कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की **संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी डॉ. निर्मला दीदी** ने अपना आशीर्वचन देते हुए कहा कि मैडिटेशन के लिए शांत माहौल परम आवश्यक है । राजयोग मैडिटेशन से हम खुद को मजबूत बना कर अपने परिवार को सशक्त बना सकते है ।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजयोगी भ्राता बृजमोहन जी ने कार्यक्रम के अध्यक्ष के बतौर अपने उद्बोधन में कहा कि सारा विश्व ही एक परिवार है और सारे परिवारों का सशक्तिकरण जल्द ही होने जा रहा है। इस सशक्तिकरण के लिए परमात्मा ने माताओं को निमित्त बनाया है क्योंकि माताओं में वो शक्ति है। जिसके यादगार में -वन्दे मातरम् , शिव शक्तियां कहा जाता है और भारत की सभी नदियों का नाम माताओं पर ही है।

ब्रह्माकुमारीज़ महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु.चक्रधारी दीदी ने अपने मुख्य वक्तव्य में बताया कि जीवन को सुख और शांति सम्पन्न बनाने के लिए मूल्यों की आवश्यकता है। अगर जीवन में मूल्य नहीं है तो पारिवारिक सशक्तिकरण नहीं हो सकता और इन मूल्यों को जीवन में लाने के लिए राजयोग की आवश्यकता है । राजयोग के द्वारा आत्मा का सर्वशक्तिवान परमात्मा से कनेक्शन होता है और उसे सर्व शक्तियां की प्राप्ति होती है । उन शक्तियों के आधार से आत्मा की सर्व कमजोरियां दूर होती है । वह नर से श्री नारायण और नारी से श्री लक्ष्मी बन जाती है। जिससे हर घर गृहस्थ आश्रम बन जाता है।

ब्रह्माकुमारीज़ आर्ट एंड कल्चर विंग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चन्द्रिका दीदी ने कहा कि अब ये कलियुग का समय चल रहा है। जिसका परिणाम आज परिवार टूटने लगे है और समाज की भी दयनीय हालत हो चुकी है। चारों तरफ विकारों की, व्यसनों की कालिमा छाई हुई है। तो वर्तमान समय परमात्मा माताओं , बहनों का निमित्त बनाकर परिवर्तन का कार्य कर रहे है। इसके लिए माताओं को पहले स्व परिवर्तन करना है। जिससे परिवार में और समाज में परिवर्तन आएगा और पारिवारिक सशक्तिकरण हो जायेगा।

हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्षा बहन रेनू भाटिया ने अपने वक्तव्य में कहा कि परिवार को जोड़ कर रखिये, तोडना तो बहुत आसान है। उन्होंने कहा कि जो गुण आप अपने बच्चों में, परिवार में देखना चाहती है, उन गुणों को पहले स्वयं में धारण करें। महिलाएं गृह मंत्री होती है, वे जैसे चाहे वैसे परिवार को दिशा दे सकती है। वह ना सिर्फ घर का बल्कि समाज और देश का भी निर्माण और सशक्तिकरण कर सकती हैं।

भारत के विधि आयोग के सदस्य माननीय आनंद पालीवाल ने अपने वक्तव्य में पारिवारिक सशक्तिकरण का महत्व बताते हुए कहा कि एक अच्छा परिवार, अच्छे समाज का निर्माण करता है और एक अच्छा समाज, अच्छे राष्ट्र का निर्माण करता है। साथ ही ये भी कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना पारिवारिक सशक्तिकरण हो ही नहीं सकता। एक बच्चें को संस्कार देने में केवल माँ की भूमिका नहीं होती बल्कि पूरे परिवार की भूमिका होती है। परिवार ही आपके अन्दर मूल्यों को और संस्कारो को लाता है।

राजस्थान बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्षा बहन संगीता बेनीवाल ने भी अपने वक्तव्य में ब्रह्माकुमारी संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि जैसा जीवन इन बहनों का है , जो शांति इनके पास है वो हम अपने जीवन में लाये। एक सशक्त परिवार ही उन्नत समाज और संसार का निर्माण कर सकता है। माँ और बाप आज अपने बच्चों को समय नहीं दे पा रहे हैं। जिस कारण वे गलत रास्ते पर जा रहे है। इसके लिए परिवार को अपनी भूमिका का सही रीति से निर्वाह करने की आवश्यकता है।

महिला प्रभाग की राष्ट्रिय अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. शारदा दीदी ने सभी को राजयोग की अनुभूति करवाई।

महिला प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी ने मंच का कुशल संचालन किया।

खुला सत्र

"संस्वृति की संरक्षक-नारी" विषय पर आयोजित खुला सत्र में, **वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र. कु. गीता दीदी** ने कहा कि जीवन में भौतिकता के साथ-साथ आध्यात्मिकता का बेलेंस आवश्यक है। देवियों की प्रतिमा केवल भौतिक रूप से ही संपन्न नहीं होती बल्कि उनकी आँखों में दिव्यता , चेहरे में पवित्रता और व्यक्तित्व में अन्तर्मुखता भी होती है। जब हमने इन गुणों को गंवा दिया, तब हम साधारण बन गए। जितना ज्यादा हम साधनों पर निर्भर होते है उतनी ही हमारी आतंरिक शक्ति कम होती जाती है । अत: बहनों में अगर संस्कृति का सही ज्ञान होगा तो वे अपने परिवार को भी दे सकती है।

जोधपुर से पधारीं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र. कु. शील दीदी जी बताया कि जब हम आधुनिकता के साथ-साथ आध्यात्मिकता का बेलेंस रखकर चलते है तो हम कभी भी असफल नहीं ही सकते है आध्यात्मिकता से हम अपने आप को सशक्त बना सकते है। इसके लिए हमें अन्न और धन की शुद्धि का ध्यान रखना है।

दिल्ली से पधारीं सामाजिक कार्यकर्ता बहन राज बाला सिंह ने कहा कि आत्म ज्ञान के बिना

परिवर्तन नहीं आ सकता। महिला सशक्तिकरण के लिए पुरुष भी नारी की इज्जत करे। पुरुष नारी की मर्यादा को महत्व नही दे रहे जिस कारण स्त्री का पतन हो रहा है।

वडोदरा से पधारीं कायाकल्प परियोजना एवं महावीर फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक एवं निर्देशक, बहन बेला खजुरिया ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि परिवार को जोड़े रखने लिए जो भी हमने यहाँ सीखा, वो व्यवहार में जरुर लाये। सयुंक्त परिवार बनाये रखने के लिए हमें ध्यान देना चाहिए। इसके लिए परिवार में कम्युनिकेशन जरूरी है। महिलाओं को अगर बाहर काम करना है तो पहले ये जरुर देखना चाहिए कि वो घर का पूरा काम करके जा सके, जिससे परिवार में हारमनी बनी रहे।

नागपुर से पधारीं 24 स्टार प्राइड क्लब चैरिटेबल फाउंडेशन की निर्देश प्रबंधक, आर. आर.जे.चैरिटेबल फाउंडेशन (स्पिरिचुअल हीलिंग सेंटर) के संस्थापक एवं अध्यक्षा डॉ.ऋचा राजकुमार जैन ने अपने वक्तव्य में कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ अपने धर्म के बारे में भी ज्ञान होना चाहिए। संस्कारो की जरूरत सिर्फ लड़कियों को ही नहीं बल्कि लड़को को भी है।

श्री गंगानगर से पधारीं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.मोहिनी दीदी जी ने कहा कि हमारी संस्कृति में सनातन धर्म है। जैसे की रामायण में दिखाया जाता है कि एक कैकई के कारण पूरे राज्य में उथल पुथल हो गई। फिर भी बाकि सभी महिलाओं ने मिलकर उस राज्य परिवार की प्रतिष्ठा को बनाए रखा। किसी ने भी कैकई को धिक्कारा नहीं। इसी प्रकार परिवार में एक व्यक्ति आसुरी प्रवृति का होने के कारण घर को तोड़ने का काम करता है और बाकि सदस्य उस घर को जोड़कर रखने की कोशिश करते है और ये शक्ति राजयोग के द्वारा आती है। इसके साथ ही दीदी जी ने राजयोग की अनुभूति करवाई। **डॉ. बी.के.आकांक्षा** ने मंच का कुशल संचालन किया।

माउंट आबू - खुला सत्र - (बाएं से दाएं) महिला प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मलेन के दौरान "संस्कृति की संरक्षक – नारी " विषय पर आयोजित खुले सत्र में अपना वक्तव्य देती हुई डॉ. ऋचा राजकुमार जैन - डॉ. ऋचा यूनिक क्लिनिक के मालिक और प्रबंध निदेशक, 24 स्टार प्राइड क्लब चैरिटेबल फाउंडेशन, नागपुर और आर.आर.जे चैरिटेबल फाउंडेशन (स्पिरिचुअल हीलिंग सेंटर), नागपुर के संस्थापक और अध्यक्ष मंच पर उपस्थित हैं - डॉ. बी.के. आकांक्षा - प्रबंधक, न्यूलाइफ हॉस्पिटल, दिल्ली, बहन बेला खजूरिया - संस्थापक निदेशक, कायाकल्प (परिवर्तन) परियोजना(महावीर फाउंडेशन ट्रस्ट, वडोदरा के साथ), ब्र.कु.गीता - वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, शांतिवन, ब्र.कु.शील - वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, जोधपुर, बहन राज बाला सिंह - सामाजिक कार्यकर्ता, दिल्ली एवं ब्र.कु.मोहिनी - वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, श्री गंगानगर ।

माउंट आबू - महिला प्रभाग द्वारा आयोजित सम्मलेन के दौरान ध्यानपूर्वक सुनती हुई गणमान्य महिलाएं ।

हिमायतनगर - सेवाकेंद्र द्वारा पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत आयोजित शांति यात्रा शिव धवज फेहराकर शुभारम्भ करती हुई ब्रह्माकुमारी बहन।

रीवा - विश्व बेटी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपना वक्तव्य देते हुए पूर्व नगर निगम रीवा की नेता प्रतिपक्ष बहन कविता पांडे मंच पर उपस्थित है पूर्व महापौर बहन ममता गुप्ता, ब्र.कु. निर्मला दीदी - क्षेत्रीय संचालिका - रीवा, वरिष्ठ समाजसेवीका बहन संध्या गौतम एवं अन्य ।

मुंबई - सांताक्रूज़ वेस्ट के महिला हस्पताल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपना उद्बोधन देती हुई ब्र.कु. शिवानी दीदी – मोटिवेशन स्पीकर, ब्रह्माकुमारीज़ २) ध्यानपूर्वक सुनते हुए गणमान्यजन ।

दिल्ली (राजौरी गार्डन) - सेवाकेंद्र द्वारा खुशहाल महिला - खुशहाल परिवार विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अपना वक्तव्य देते हुए ब्र.कु. शक्ति दीदी, प्रभारी (राजौरी गार्डन, दिल्ली) । मंच पर उपस्थित है ब्र.कु. शिलपा बहन एवं अन्य ।

निज़ामाबाद - पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत लायंस क्लब में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. सुप्रिया बहन एवं अन्य ।

भीनमाल - आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय की ओर से आयोजित मातृशक्ति सम्मेलन में अपना वक्तव्य देते हुए ब्र.कु. गीता बहन, ध्यानपूर्वक सुनती हुई महिलाएं।

खम्मम – पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम भाग लेते हुए खम्मम - खम्मम वनिता क्लब के अध्यक्ष, वनिता क्लब के अध्यक्ष नेलाकोंडापल्ली, वनिता क्लब के सचिव, ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. सुप्रिया बहन एवं अन्य ।

रतलाम - विश्व बेटी दिवस के अवसर पर सशक्त बेटी - सशक्त समाज विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए महिला बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक बहन ज्योत्सना आठे, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. गीता बहन, गुरु तेग बहादुर स्कूल की शिक्षिका बहन भाव्या दतवानी ।

नवसारी – अंतराष्ट्रीय बेटी दिवस के उपलक्ष्य में नगरपालिका कार्यशाला में आयोजित कार्यक्रम में अपना वक्तव्य देती हुई ब्र.कु. गीता बहन। कार्यक्रम में प्रिंसीपल प्रवीन भाई एवं ब्र.कु. साधना बहन भी उपस्थित रहे ।

सिवनी – सेवाकेंद्र द्वारा रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित महिला कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए डॉ. सुनंदा चौधरी, समाजसेवी बहन रितु श्रीवास्तव, मातृ शक्ति संगठन की अध्यक्ष बहन सीमा चौहान, साहू समाज की अध्यक्ष बहन नीतू साहू ब्र.कु. ज्योति बहन एवं अन्य ।

पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत तेलंगाना में किये गये कार्यक्रमों की कुछ झलकियाँ

काजीपिट - सेवाकेंद्र द्वारा पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई ब्रह्माकुमारी बहनें एवं शहर की गणमान्य महिलाएं ।

हुजूराबाद - पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत नगर आयुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात स्टाफ को सौगात भेंट करती हुई ब्रह्माकुमारी बहनें ।

कागजनगर

आसिफाबाद, आंगनवाड़ी शिक्षक कार्यक्रम

नंदीपेट आश्रम

भारत डायनामिक्स लिमिटेड, मलकपेट

चिलकुर, जेबी इंजीनियरिंग कॉलेज

शमशाबाद

सिद्धिपेट - बीसी छात्रावास

श्रीनगर कॉलोनी बटालियन, हैदराबाद

विग्नान इंजीनियरिंग कॉलेज

हैदराबाद (शांति सरोवर) - तेलंगाना में पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए डॉ. शिल्पी रेड्डी – एम.डी., डी.एन.बी, ओ.बी. एवं प्रसूतिशास्त्री (क्लिनिकल डायरेक्टर, के. आई. एम. एस. कडल्स एवं 'पारिवारिक सशक्तिकरण' अभियान की संरक्षक), ब्र.कु. चक्रधारी दीदी – अध्यक्षा – महिला प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज़, एवं ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी – राष्ट्रीय संयोजिका – महिला प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज़, ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. कुलदीप दीदी (निर्देशका हैदराबाद – शांति सरोवर एवं प्रभारी - हैदराबाद सबजोन), बहन वाकीति सुनीता लक्ष्मा रेड्डी (अध्यक्षा - राज्य महिला आयोग), प्रो.ज्योत्सना तिरुनागिरी - राष्ट्रीय प्रवक्ता टी.डी.पी एवं अध्यक्ष संस्कार फाउंडेशन एवं अन्य। २) रैली का शिव ध्वज फहराकर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. चक्रधारी दीदी, ब्र.कु. डॉ. सविता दीदी एवं अन्य।

हैदराबाद (शांति सरोवर) - तेलंगाना में पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान के समापन सत्र में भाग लेते हुए भ्राता जी.ए. श्रीनिवास मूर्ति - सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं निदेशक, डी.आर.डी.एल., फिल्म अभिनेत्री बहन दिव्यवाणी, ब्र.कु. कुलदीप दीदी - (निर्देशका हैदराबाद – शांति सरोवर एवं प्रभारी - हैदराबाद सबजोन), ब्र.कु. शारदा दीदी - राष्ट्रीय संयोजिका, महिला प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज़, फिल्म अभिनेत्री बहन पुनम कौर, डॉ.हरिका, बहन शोभा रानी अनुमंडला सदस्य - तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं डॉ. ब्र.कु. उमा रानी । २) कार्यक्रम में भाग लेते श्रोतागण ।

वारंगल - सेवाकेंद्र द्वारा पारिवारिक सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए तेलंगाना की अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश बहन प्रेमलता गारू, ब्र.कु. सविता गारू, डी.ई.ओ जेंडर कोऑर्डिनेटर बहन फ्लोरेंस गारू, ब्र.कु. लक्ष्मी गारू, ब्र.कु. सुधाकर गारू ब्र.कु. सुप्रिया बहन एवं अन्य।

पृष्ठ 3 का शेष

उप महापौर बहन तुलसी जोशी ने कहा कि नेपाल और भारत की संस्कृति एक जैसी है। ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन परिसर में मुझे अद्भुत, अलौकिक ईश्वरीय अनुभूति हो रही है । वर्तमान में परिवर्तन तो सब चाहते हैं लेकिन स्वयं को परिवर्तन करना कोई नहीं चाहता। अपने आशीर्वचन में **ब्रह्मकुमारीज़ की संयुक्त प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी** ने 'ओम शांति', 'वंदे मातरम्' के उद्घोष से अपनी बातें रखी। उन्होंने कहा कि जीवन में दृढ़ता से हमें सफलता अवश्य मिलती है। माताओं के अंदर त्याग की भावना होती है इसीलिए वह परिवार को खुश रखती हैं। हमें स्वयं के अंदर आध्यात्मिक शक्तियों को बढ़ाना है जिससे हम परिवार ,समाज के काम आ सकें। आत्म उन्नति के द्वारा हमारे अंदर परिवर्तन देख अन्य को भी परिवर्तन होने की श्रेष्ठ प्रेरणा मिलेगी। जो भोजन हम खाते हैं वह ईश्वरीय स्मृति में बनायें और ईश्वरीय स्मृति में ही स्वयं और परिवारजन स्वीकार करें तो हमारा मन भी शुद्ध होगा हम स्वस्थ और प्रसन्न सहज रूप से रह सकेंगे। कार्यक्रम का कुशल संचालन **ब्र.कु. शिविका बहन, मुख्यालय संयोजिका, शिक्षा प्रभाग, ब्रह्माकुमारीज़** ने किया।

❑❑❑

सम्पादिका : ब्र.कु. चक्रधारी, शक्तिनगर, दिल्ली
सह-सम्पादिका : ब्र.कु.डॉ. सविता, शान्तिवन
सम्पादकीय पत्र-व्यवहार : डॉ. सविता शान्तिवन,(आबू रोड)
प्रकाशक व मुद्रक ब्र.कु. आत्मप्रकाश,
ओमशान्ति प्रिंटिंग प्रेस, शान्तिवन (आबू रोड) – 307510

राष्ट्रीय कार्यालय :19/17, शक्तिनगर, दिल्ली-110007

प्रति,